है तो मैं जानना चाहता हूं कि इस पर मंत्री जी कितना समय लगायेंगे ?

श्री बालगोविन्द वर्मा : मैंने कार्य पद्धति सम्बन्धी कुछ परिवर्तन करने के प्रस्ताव को विचाराधीन बतलाया है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : उसका विचार कब तक पूरा कर लेंगे ? कितना समय इस पर लगायेंगे ?

श्री बालगोविन्द वर्मा : उस को हम जल्द से जल्द करने जा रहे हैं । वह समिति के विचाराधीन है ।

Supply of oils for use on light Machine-Guns

†

*343. SHRI MAHADEEPAK SINGH SHAKYA:
SHRI HUKAM CHAND KACHAWAI:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether the Mineral Hydraulic Buffer Oil supplied by M/s Volvotive (India) Private Limited to the Defence Department for use on the Light Machine-Gun was found to be useless when used;

(b) if so, the amount of loss suffered by Government on this account; and

(c) whether any action has been taken against the Chief Inspector of the Chief Inspectorate of Materials, Kanpur who had inspected and accepted the oil?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) to (c). A statement is laid on the Table of Sabha.

Statement

(a) Mineral Hydraulic Buffer Oil which is used for the recoil system of guns was supplied by M/s. Valvoline (India) Private Ltd. At the time of pre-supply inspection the oil was found acceptable as per specifications governing the contract in question. However, the oil developed a tendency to gelling in storage. The matter was investigated and a simple method has been evolved to rectify this defect to make the oil reusable and a good portion of the available stock has been rectified. The rectification of the balance is in progress.

(b) the cost of rectification of the oil is estimated to be approximately Rs. 75,000. DGS&D has been requested to recover the amount from the supplier.

(c) Sampling of the bulk supply was made by an independent authority, i.e., Inspector of General Stores, Calcutta, and the testing of the samples was done by a different authority, viz., Chief Inspector of Materials, Kanpur, and the samples were found acceptable as per specifications. However, the tendency for gel formation developed only later after storage for over a year. On the basis of investigations carried out by the Defence Inspection Organisation in collaboration with the Research and Development Organisation, a simple method of rectification has been devised and the relevent specifications have also been revised to safeguard against such eventualities in future.

In view of the above position, no action is called for against the Chief Inspector of Materials, Kanpur or the Inspector of General Stores, Calcutta.

श्री महादीपक सिंह शाक्य : मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है वह बड़ा अस्पष्ट है । एक तरफ तो आपने इसे स्वीकार भी किया है और एक तरफ इंकार भी किया है । आपने अपने स्टेटमेंट में लिखा है कि इस मामले

की जांच की गई और एक साधारण तरीका इस डिफैक्ट को ठीक करने के लिये निकाला गया है ताकि तेल पुनः प्रयोग के लिये योग्य हो जाय और उस डिफैक्ट को दुरुस्त कर दिया गया है और उसके परिशोधन करने का काम चल रहा है। अब न तो यह सही तरीके से सब ठीक ही हुआ है न अभी तक परिशोधित ही हुआ है और न अशोधित ही है इसलिये मैं यह जानना चाहूंगा कि यह जो बाकी बचा हुआ तेल उसकी मात्रा कितनी है और उसका परिशोधन आप कब तक पूरा कर लेंगे ?

श्री जगजीवन राम : वह तो मैंने अपने मूल उत्तर में बतलाया हुआ है। जो स्पैसिफिकेशन था उसके हिसाब से जांच में वह सही पाया गया था और उस तेल को लिया गया लेकिन जब वह इस्तेमाल हुआ तो उसमें कुछ खामिया पाई गई और जब खामियां पायी गयी तो हमारे रिसर्च और डेवलपमेंट विभाग ने उसका एक तरीका निकाला और एक बहुत साधारण तरीके से उसको दुरुस्त करने उस तेल को इस्तेमाल में लाया जाने लगा। अधिकाश दुरुस्त हो चुका है और बाकी जो वह दुरुस्त हो रहा है। उसमें यह बताया गया है कि जो खर्चा पड़ेगा वह उस पार्टी से लिया जायेगा। जब यह खामिया नजर आई तो उसके हिसाब से हमारे वैज्ञानिकों ने अब जो तेल लिया जायेगा उसका स्पैसिफिकेशन उसी हिसाब से बना लिया है।

श्री महादीपक सिंह शाक्य : मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि वह जो उन्होंने बतलाया कि परिशोधन कार्य वैज्ञानिक ढंग से करने का जो तरीका निकाला गया है उसकी मुख्य मुख्य बातें क्या हैं ?

श्री जगजीवन राम मुख्य बात यह है कि जो कैमिकल उसमें पाया गया जिससे कि खामी पैदा हो गई थी उस कैमिकल को और उस रीजन को न्यूट्रैलाइज कर दिया गया है।

श्री हुकम चन्द कछवाय मैं जानना चाहता हूं कि यह जो तेल लिया गया था यह कितनी कीमत का लिया गया था और जो उसकी आपने शुद्धि की है उस पर आप का कितना खर्चा हुआ है ? इसी के साथ-साथ क्या यह बात सही है कि जिस समय जो सैम्पुल बताया था और जिसको कि पास किया गया था वह ठीक था और उसके बाद जो उसने खराब तेल भेजा है और वह जो मंत्री जी ने कहा कि हम पैसा वसूल करने वाले हैं तो वह कार्यवाही आपने कब की है और वह उनसे पैसा कब तक वसूल हो जाने की उम्मीद है ?

श्री जगजीवन राम . माननीय सदस्य को मालूम होना चाहिये कि इस तरह की जितनी चीज हम लेते है वह डाइरेक्टर जनरल आफ सप्लाइज एंड डिस्पोजलस की मार्फत लेते है। उनके द्वारा टेंडर मगाया जाता है और वह टेंडर का निर्णय करते है। उनके जो जांच करने वाले हैं वह जाच करते है हमारे

जो जांच करने वाले हैं वह भी उनकी जांच करते हैं। दोनों के द्वारा जांच करने के बाद वह लिया जाता है...

श्री हुकम चन्द कछवाय : फिर भी तेल खराब आ गया।

श्री जगजीवन राम : माननीय सदस्य ही बात कर ले फिर हमारे बात करने की जरूरत नहीं रह जायेगी। उन्हें जो भी बात कहनी हो खड़े होकर कह ले। अगर उन्हें ही बात कहनी हो तो हमारे कहने की जरूरत नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : वह अपनी आदत से मजबूर हैं।

श्री जगजीवन राम : अब सारा वह ही कह लिया करें फिर हमारे कहने की जरूरत क्या है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जांच में कुछ गड़बड़ रही।

श्री जगजीवन राम : जांच में गड़बड़ नहीं हुई। जो स्पैसिफिकेशन था उस स्पैसिफिकेशन के हिसाब में यह सही था लेकिन जब वह इस्तेमाल में लाया गया तब मालूम हुआ कि कुछ खामी है। उसकी जांच करने पर मालूम हुआ कि एक और कमिकल रह गया है जो कि इम्प्योरिटी है। जितना तेल मंगाया गया था उसके आंकड़े मैं बतला रहा हूं। 1 लाख 62 हजार लिटर तेल मंगाया गया था जिसके कि दाम 4 लाख 85476 थे और दूसरा कंसाइनमेंट 3 लाख 57000 लिटर का था जिसके कि दाम 11 लाख 6,706 रुपये थे।

इसके शुद्धिकरण में 75 हजार रुपया खर्च हुआ है और डी० जी० एस० डी० से कहा गया है कि जिस पार्टी ने सप्लाई किया है उससे वसूल कर लिया जाये।

श्री हुकम चन्द कछवाय : यह तेल लिया कब था ?

श्री जगजीवन राम : मैं तारीख बता देता हूं। पहला टेंडर मांगा गया था 13 जनवरी, 1969 को और दूसरा टेंडर मांगा गया था 9 फरवरी, 1970 को और सप्लाई हो गई थी जुलाई, 1971 तक।

SHRI MUHAMMED KHUDA BUKHSH. Lubricating oil is lubricating the mechanism of the machine gun. The hon. Minister mentioned that there were certain short-comings about the oil. What was the precise nature of the short-coming? Was it loss of viscosity on heating up?

SHRI JAGJIVAN RAM. As I have said in the statement, it was gel formation and as I have stated, on examination it was found that there were certain chemicals which created that effect and, after that, the scientists have rectified it and it is functioning satisfactorily.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY. The hon Minister said that it was due to certain foreign material entering into the lubricating oil I want to know whether it was intentional...

MR. SPEAKER: What he said was that it was according to specification

but, later on, it was discovered. What do you mean by 'intentional'?

SHRI M. RAM GOPAL REDDY: It is a very sensitive material used for defence purposes. I want to know whether this mixture is on account of some.... *(Interruptions)* I would not use the word 'sabotage', but whether it was intentionally done by some one who wanted to make some money or whether it was only accidental.

SHRI JAGJIVAN RAM: I do not think there is anything intentional because the party will have to pay for the purification of it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मंत्री महोदय कहते हैं कि जब तेल लिया गया तो जांच में ठीक पाया गया लेकिन जब उसका प्रयोग किया गया तो पता लगा कि उसमें एक केमिकल कम है तो क्या यह कमी जांच के समय पता नहीं लग सकती थी ? क्या जांच के तरीके में कोई दोष है या जो जाच करने वाले थे उन्होंने असावधानी से काम किया ?

श्री जगजीवन राम : तरीके में भी कमी नहीं थी और असावधानी भी नहीं हुई थी । जो फिजिकल टेस्ट करना था, जो स्पेसिफिकेशन थे उनके हिसाब से सही तरीके से जांच हुई थी । आज तक जितना तेल इस्तेमाल हुआ था उसमें इस तरह की खामी नहीं पाई गयी थी । इस बार खामी पाये जाने के बाद, जैसा मैंने कहा, स्पेसिफिकेशन को बदल दिया गया है जिसमें यह जांच भी शामिल हो सकती है ।

MR. SPEAKER: Shri Piloo Mody—absent.

Shri Atal Bihari Vajpayee.

भारतीय सीमाओं से 50 मील के अन्दर पाकिस्तान द्वारा किए गए सैनिक अभ्यास

*345. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान ने हाल ही में भारतीय सीमा से 50 मील के अन्दर के क्षेत्र में युद्ध की तैयारियों के रूप में सैनिक अभ्यास किये हैं ; और

(ख) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) Government are aware that Pakistan has carried out normal training exercises in the area where her troops are deployed at present.

(b) All such activities are taken into consideration in reviewing our defence measures.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: क्या यह सच है कि जम्मू कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी फौजों की हलचल होने और जमा होने की खबरें मिली है ?

श्री जगजीवन राम : जमा मैंने कहा युद्ध विराम हो जाने के बाद सीमा के दोनों तरफ फौजें मौजूद हैं—सीमा के इस तरफ भारतीय फौजें हैं और उस तरफ पाकिस्तान की फौजें हैं । जब फौजें वहां हैं और लम्बी देर से पड़ी हुई हैं तो आवश्यक हो जाता है कि कुछ टुकड़ियों को वहां से हटाया जाये, नयी टुकड़ियां भेजी जायें और यहां पर एक्सरसाइज भी होती रहे । उस तरफ भी